गन्ना मूल्य बकाया घटकर 6,225 करोड़ पर आया

नई दिल्ली, प्रेट्र : केंद्र सरकार के दबाव में चीनी मिलों ने किसानों के 87 फीसद गन्ना मूल्य बकाये का भुगतान कर दिया है। इससे चालू पेराई सत्र 2015-16 में गन्ने का बकाया घटकर 6,225 करोड़ रुपये रह गया है। पिछले पेराई सत्र 2014-15 के दौरान अप्रैल में मिलों पर किसानों का गन्ना मूल्य बकाया 21,000 करोड़ रुपये तक पहुंच गया था।

बीते पांच वर्षों तक चीनी उत्पादन की अधिकता से दाम बेहद नीचे चले गए थे। नतीजतन चीनी मिलें संकट में आ गई थीं। गन्ना पेराई सत्र या चीनी सीजन अक्टूबर से शुरू होकर सितंबर तक चलता है। खाद्य मंत्रालय की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि फिलहाल उत्तर प्रदेश में मिलों पर किसानों का सबसे ज्यादा गन्ना मूल्य बकाया है। राज्य की मिलें बकाये के तौर पर किसानों के 2,448 करोड़ रुपये की देनदार हैं। कर्नाटक में यह बकाया 1,325 करोड़ और महाराष्ट्र में सिर्फ 883 करोड़ रुपये है।

- केंद्र की सख्ती का असर, मिलों ने चुकाया 87 फीसद बकाया

पिछले एक साल के दौरान केंद्र सरकार ने न सिर्फ चीनी मिलों पर बकाया भुगतान के लिए दबाव बनाया, बल्कि उनकी माली हालत सुधारने के लिए कई कदम उठाए हैं। केंद्र ने मिलों को बकाया भुगतान के लिए सस्ता कर्ज दिया। चीनी पर 40 फीसद का आयात शुल्क लगाया।

चीनी कीमतों में बढ़ोतरी से भी मिलों की हालत बेहतर हुई। बीते साल चीनी के खुदरा दाम 27 रुपये प्रति किलो तक चले गए थे, जो अब 40 रुपये के आसपास चल रहे हैं।